* रूप परिवर्तन के आधार पर शब्द = 2

① विकारी शब्द ② अविकारी / अव्यय शब्द

(1) विकारी शब्द *

वे शब्द जिनका रूप, लिंग, वचन, कारक और काल के अनुसार परिवर्तन हो जाते हैं विकारी शब्द कहलाते हैं।

, जैसे :- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया

* संज्ञा *

सम् + ज्ञा (सम्यक ज्ञान)

→ किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान और भाव का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

, जैसे :- मुर्रा भैंस दुधारु पशु है।

मुर्रा → व्यक्तिवाचक, दुधारु → भाववाचक, पशु → जातिवाचक

⇒ मूलरूप से संज्ञा के 2 भेद होते हैं।

1. दृश्य / यथार्थ / वास्तविक

2. अदृश्य / अयथार्थ / अवास्तविक

⇒ सामान्यतः संज्ञा के 3 भेद होते हैं।

जो सर्वमान्य हैं।

संज्ञा
- 1. व्यक्तिवाचक
- 2. जातिवाचक
  - द्रव्यवाचक
  - समूहवाचक
- 3. भाववाचक

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा :-

→ वे संज्ञा शब्द जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान विशेष इत्यादि के नाम का बोध कराते हैं। व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

विशेष :- व्यक्तिवाचक संज्ञा का प्रयोग हमेशा एकवचन में किया जाता है अर्थात् ऐसे एकवचन में किया जाता है जिसका बहुवचन न बनाया जा सके।

जैसे :-

1. व्यक्तियों के नाम :-

राम, सीता, गीता, मोहन,

कालिदास, शेक्सपीयर, अर्जुन

2. वस्तुओं के नाम :-

खेतान पंखा, L.G T.V, Videocon फ्रिज,

VOLTAS ए.सी, गोशन पुस्तक, सेलो कुर्सी

Reynolds पेन,

3. स्थानों के नाम :-

जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत, जोधपुर

जयपुर

4. दिशाओं के नाम :-

उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम

5. पर्वतों के नाम :-

हिमालय, अरावली, गोवर्धन

6. समुद्रों के नाम :-

प्रशान्त, हिन्द महासागर

7. नदियों के नाम :-

गंगा, यमुना, कृष्णा, गोदावरी.. ।

8. दिनों के नाम :-

सोमवार, मंगलवार, बुधवार ....।

9. महिनों के नाम :-

जनवरी, फरवरी, मार्च ....।

10. वर्षों के नाम :-

2022, 2023, ...।

11. पुस्तकों के नाम :-

रामायण, गीता, बाईबिल

12. समाचार पत्रों के नाम :-

राज. पत्रिका, नवज्योति, दैनिक भास्कर

13. त्योहारों/उत्सवों के नाम :-

दीपावली, ईद, स्वतंत्रता दिवस

14. सड़कों/चौकों के नाम :-

ग्रांड ट्रंक रोड, लालचौक

15. ऐतिहासिक युद्धों के नाम :-

पानीपत, हल्दीघाटी

16. राष्ट्रीय जातियों के नाम :-

पाकिस्तानी, बांग्लादेशी, भूटानी

17. ग्रह-नक्षत्रों के नाम :-

पृथ्वी, मंगल, शनि

(2) जातिवाचक संज्ञा :-

(एक में बहुत सारों का गुण)

→ वे संज्ञा शब्द जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान की सम्पूर्ण जाति या वर्ग का बोध कराते हैं। जातिवाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

→ जैसे :-

1. व्यक्ति :-

पशु, पक्षी, मनुष्य, स्त्री
लड़का, लड़की, गाय, बकरी,
तोता, कबूतर, कुत्ता, बिल्ली इत्यादि

2. वस्तु :-

पैन, कुर्सी, मोबाइल, पंखा,
टी.वी, ए.सी, पुस्तक, मेज, बोतल
कूलर, फ्रिज इत्यादि।

3. स्थान :-

देश, शहर, गाँव, विद्यालय,
नदी, ई-मित्र, झील, पहाड़,
तहसील इत्यादि।

विशेष :-

→ जातिवाचक संज्ञा का प्रयोग हमेशा बहुवचन में किया जाता है

अर्थात् ऐसे एकवचन में किया जाता है जिनका बहुवचन बन सके।

⇒ जातिवाचक संज्ञा के 2 उपभेद हैं।

1. द्रव्यवाची   II समूहवाची

I द्रव्यवाचकसंज्ञा :-

→ वे संज्ञा जो किसी द्रव्य पदार्थ का बोध कराते हैं द्रव्यवाची संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

→ अर्थात् जिससे हम मापतौल सकते हैं परन्तु गिन नहीं सकते

→ जैसे:-

→ ठोस :- (धातुओं के नाम) → सोना, चाँदी --

द्रव्य :- (खाने-पीने की वस्तु) → दूध, पानी, तेल

गैस :- (गैसीय पदार्थ) → गैसीय- ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, मिथेन

CO_2

1) समूहवाचक संज्ञा :-

→ जिन संज्ञा शब्दों से अनेक वस्तुओं व प्राणियों के समूह का बोध होता है समूहवाचक संज्ञा कहलाती हैं।

जैसे -

→ व्यक्तियों का समूह :-

सभा, सेना, सम्मेलन, गिरोह, जत्था, गोष्ठी, टीम, दल, वृन्द, गण, टोली, पुलिस, परिवार, झुंड, गिरोह, पंक्ति, माला, टुकड़ी

→ वस्तुओं का समूह :-

गुच्छा, ढेर, कुंज, आगार, श्रृंखला, गट्ठर

[3] * भाववाचक संज्ञा *

> वे संज्ञा शब्द जो किसी भाव का बोध कराते हैं अर्थात् किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान इत्यादि के भाव का बोध कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

जैसे:- सुख, दुःख, अमीरी, गरीबी
बुढ़ापा, बचपन, जवानी, प्रेम,
प्यार, प्रार्थना, लड़ाई, गुस्सा
मुस्कराहट, हँसी, चुनाव, घबराहट

> विशेष:- भाववाचक संज्ञा का प्रयोग हमेशा एकवचन में होता है यदि बहुवचन में प्रयुक्त कर दिया जाता है तो वहाँ जातिवाचक संज्ञा बन जाती है
जैसे:- गरीबी - गरीबों

विशेष:-
व्यक्तिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा का निर्माण नहीं होता बल्कि वह विशेषण रूप होता है।

> जैसे - भारत - भारतीय
(भारत ↓ व्यक्तिवाचक) (भारतीय ↓ विशेषण)

⇒ भाववाचक संज्ञा का निर्माण निम्न रूप से

1. जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा :-

जैसे:- बच्चा → बचपन , बाल = बालपन

लड़का = लड़कपन , युवक = यौवन

देव = देवत्व , कुमार = कौमार्य

पशु = पशुता , ईश्वर = ऐश्वर्य

शिशु = शैशव , बंधु = बांधव

पुरुष = पौरुष , प्रभु = प्रभुता

2. सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा :-

जैसे> अपना = अपनापन

मम = ममता / ममत्व

निज = निजता / निजत्व

सर्व = सर्वस्व

आत्म = आत्मीयता

3. विशेषण से भाववाचक संज्ञा :-

जैसे,

अमीर = अमीरी , गरीब = गरीबी

बूढ़ा = बुढ़ापा , जवान = जवानी

ईमानदार = ईमानदारी , बेईमान = बेईमानी

सुंदर = सौन्दर्य , चतुर = चतुराई

प्रसन्न = प्रसन्नता , धीर = धैर्य

उदार = उदारता , कृत्रिम = कृत्रिमता

कठोर = कठोरता , आलसी = आलस्य

मोटा = मुटापा , मुर्ख = मुर्खता

गहरा = गहराई , अकेला = अकेलापन

गँवार = गँवारपन , ऊँचा = ऊँचाई

(4) क्रिया से भाववाचक संज्ञा :-

↳ जैसे :-

पढ़ना - पढ़ाई

लिखना = लिखावट , घबराना = घबराहट

हँसना = हँसी , मुस्कराना = मुस्कराहट

घूमना = घुमाव , थकना = थकावट

मिलना = मेल

चुनना = चुनाव

खिंचना - खिंचाव

खोजना = खोज

उबालना = उबाल

पीना = प्यास

(5) अव्यय से भाववाचक संज्ञा :-

↳ जैसे >
→ निकट = निकटता
→ ऊपर = ऊपरी
→ नीचे = नीचता

⇒ संज्ञा की पहचान के विशेष नियम :-

I. व्यक्तिवाचक संज्ञा का कोई शब्द जब अपने साथ अन्य नाम का बोध कराता है तो उस अन्य नाम में जातिवाचक संज्ञा होती है।

> जैसे :-

→ कालिदास को भारत का शेक्सपियर कहा जात
↓ व्यक्तिवाचक ↓ जातिवाचक

→ सीमा हमारे घर की लक्ष्मी है।
↓ व्यक्तिवाचक ↳ जातिवाचक

→ पूजा तो मीरा है।
↓ व्यक्तिवाचक ↓ जातिवाचक

II. > जातिवाचक संज्ञा का कोई शब्द जब किसी व्यक्ति विशेष के अर्थ में रूढ़ हो जाता है तो वहाँ व्यक्तिवाचक संज्ञा होती है।

→ जैसे :-

गाँधी → गाँधीजी ने देश को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया।

नेहरू :→ नेहरू जी ने विदेशों में भारत को पहचान दिलाई।

पटेल :→ पटेल जी ने भारत को एकता के सूत्र में बाँधा

(ii) भाववाचक संज्ञा और विशेषण हमेशा एकवचन में ही प्रयुक्त किए जाते हैं इनको बहुवचन में प्रयोग करने पर जातिवाचक संज्ञा बन जाती है।

→ जैसे :-
→ शहर में आजकल चोरियाँ बहुत हो रही हैं।
↳ जातिवाचक

→ उस पर दुःखों का पहाड़ टूट गया।
↳ जातिवाचक

→ अब तो नजदीकियाँ भी दूरियाँ बन गई।
↳ जातिवाचक ↳ जातिवाचक

→ गरीबों की मदद करनी चाहिए।
↳ जातिवाचक

→ बड़ों का सम्मान करना चाहिए।
↳ जातिवाचक